हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

शनिवार, 30 नवंबर 2019, नगर/नोएडा, पांच प्रदेश, 21 संस्करण

www.livehindustan.com

वर्ष 84, अंक 285, 32 पेज+4 पेज लाइव, मूल्य ₹ 4.00, हिन्दुस्तान टाइम्स के साथ मूल्य ₹ 8.50

पहले : मंजूरी और अधिग्रहण में ढाई साल लगे

जुलाई 2017 : हवाई अड्डे के लिए निर्माण साइट की अनुमति मिली।
अक्तूबर-नवंबर 2017 : गृह मंत्रालय ने इमीग्रेशन की एनओसी दी।
दिसंबर 2017 : यमुना प्राधिकरण ने सलाहकार कंपनी का चयन किया।
जनवरी-अप्रैल 2018 : रक्षा मंत्रालय से एनओसी, नागरिक उड्डयन से सैद्धांतिक मंजूरी
अक्तूबर 2019 : प्रशासन ने 84% जमीन अधिग्रहण कर अथॉरिटी को कब्जा दिया।

अब : निर्माता कंपनी तय

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) ने 30 मई को टेंडर निकाले थे। ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी कंपनी ने अधिकतम बोली लगाकर निविदा जीत ली है। लगभग तय है कि यही कंपनी जेवर एयरपोर्ट का निर्माण करेगी। कंपनी के साथ 40 साल के लिए अनुबंध होगा।

आगे क्या : कैबिनेट की मुहर अगले हफ्ते

अब पीएमआईसी (प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग एंड इंप्लीमेंटेशन कमेटी) और प्रदेश कैबिनेट की मुहर बाकी है। इसके बाद कंपनी को काम आवंटित हो जाएगा। वर्ष 2023 में एक रनवे के साथ यहां से उड़ान शुरू करने का लक्ष्य है। पहले चरण में 29560 करोड़ रुपये खर्च होंगे। जेवर एयरपोर्ट के पहले चरण में 1334 हेक्टेयर जमीन लगेगी। यमुना प्राधिकरण एयरपोर्ट के पास 1500 हेक्टेयर का एक शहर बसाएगा।

एयरपोर्ट का काम तीन माह में शुरू होगा

इंतजार खत्म

ज्यूरिख हवाई अड्डा चलाने वाली स्विस कंपनी को मौका मिलेगा

2023 तक पहली उड़ान शुरू करने की तैयारी

ग्रेटर नोएडा | सुनील पाण्डेय

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर के लिए ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी कंपनी ने सबसे अधिक बोली लगाई है। शुक्रवार को वित्तीय निविदा खोली गई। इसके साथ लगभग तय हो गया कि यही कंपनी एयरपोर्ट का निर्माण करेगी। प्रदेश कैबिनेट की मुहर के बाद अगले तीन महीने में काम शुरू होने की उम्मीद है।

दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनैशनल एयरपोर्ट और गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट के बाद जेवर एयरपोर्ट एनसीआर का तीसरा एयरपोर्ट होगा। पीपीपी मॉडल पर बनने वाले इस एयरपोर्ट की वित्तीय निविदा में एक विदेशी समेत चार कंपनियां शामिल हुई थीं। वित्तीय निविदा में चारों कंपनियां सफल रही थीं। शुक्रवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) ने निविदा खोली। इसमें ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी कंपनी ने सबसे ज्यादा 400.97 रुपये प्रति यात्री राजस्व प्रस्तावित किया। अडानी इंटरप्राइजेज लिमिटेड, दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) और एनकोर्ज इंफ्रास्ट्रक्चर इनवेस्टमेंट होल्डिंग लिमिटेड कम राजस्व प्रस्ताव के कारण चूक गए।

प्रधानमंत्री करेंगे शिलान्यास : जेवर एयरपोर्ट के टेंडर के बाद इसका शिलान्यास जल्द होगा। एयरपोर्ट केंद्र व राज्य सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है। उम्मीद है कि इसका शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। जल्द ही इसके कार्यक्रम को फाइनल किया जा सकता है।

> नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर की निविदा में सबसे आगे रहने की खुशी है। यहां बहुत संभावनाएं हैं। इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास, यातायात के विकल्प अच्छे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की अर्थ व्यवस्था को 5 ट्रिलियन ले जाने की बात कही है इसलिए सब कुछ अच्छा रहेगा। यहां के सर्वे भी बेहतर आए हैं।
>
> **-डेनियन बरचर,** सीईओ, ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशल एजी

> सबसे अधिक बोली ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी ने लगाई है। अब इसे दो दिसंबर को पीएमआईसी की बैठक में रखा जाएगा। यहां से सहमति और फिर कैबिनेट की मुहर के बाद कंपनी को यह काम आवंटित कर दिया जाएगा। तीन महीने के भीतर के काम शुरू होने की उम्मीद है।
>
> **-डॉ. अरुणवीर सिंह,** सीईओ, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड

जेवर एयरपोर्ट की वित्तीय निविदा प्रक्रिया में शामिल नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड और ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी के अधिकारी। ● हिन्दुस्तान

इन शहरों को सीधा फायदा

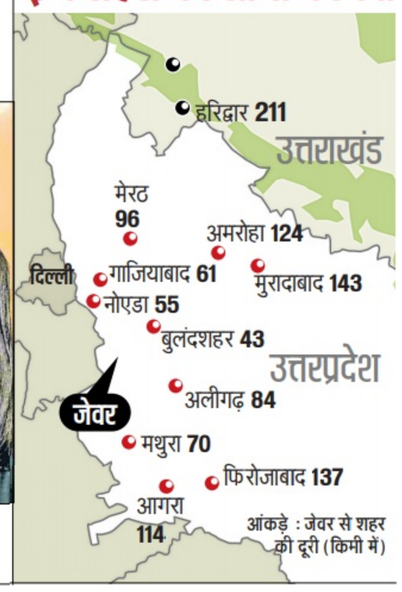

अडानी इंटरप्राइजेज निविदा की स्पर्धा में चूकी

₹400.97
ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी
ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी स्विटजरलैंड के सबसे बड़े एयरपोर्ट का संचालन करती है। यह 1921 में शुरू हुआ था और साल 2000 में निजीकरण के बाद इस कंपनी को सौंपा गया। यह कंपनी ब्राजील, कोलंबिया, चिली, सेंटियागो में भी एयरपोर्ट का संचालन कर रही है।

₹360.00
अडानी इंटरप्राइजेज लिमिटेड
इस भारतीय कंपनी के पास देश के छह एयरपोर्ट हैं। इसमें अहमदाबाद, लखनऊ, मेंगलुरु, त्रिवेंद्रम, गुवाहाटी व जयपुर एयरपोर्ट शामिल हैं। कंपनी इस क्षेत्र में लगभग 10 हजार करोड़ का निवेश कर रही है। इसी साल इस कंपनी का गठन किया गया है।

₹351.00
दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड
डायल (दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि.) इंडियन एयरपोर्ट अथॉरिटी और जीएमआर का संयुक्त उपक्रम है। जीएमआर के पास 54 और अथॉरिटी की 26% हिस्सेदारी है। इसमें एक विदेशी कंपनी की 10 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जीएमआर दुबई एयरपोर्ट का संचालन करती है।

₹205.00
एनकोर्ज इंफ्रा इनवेस्टमेंट होल्डिंग
एनकोर्ज इंफ्रास्ट्रक्चर इनवेस्टमेंट होल्डिंग लिमिटेड का गठन इसी साल हुआ। यह बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट का संचालन करती है। कार्गो कारोबार में इस कंपनी की बड़ी हिस्सेदारी है। बैंकिंग, निवेश, शिपिंग, केमिकल के क्षेत्र में भी यह कंपनी काम करती है।

सिर्फ दस रुपये से पिछड़ी डायल

ग्रेटर नोएडा | वरिष्ठ संवाददाता

दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) यूं तो वित्तीय निविदा में तीसरे नंबर में रही लेकिन जानकारों की मानें तो वह सिर्फ 10 रुपये से पिछड़ गई। अगर वह 351 के बजाय 362 रुपये की बोली लगाती तो उसे मौका मिलता।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर के लिए शुक्रवार को वित्तीय निविदा खोली गई। इसमें इसमें ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी कंपनी ने 400.97 रुपये प्रति यात्री राजस्व प्रस्तावित कर सबसे आगे रहा जबकि 351 रुपये/यात्री राजस्व प्रस्तावित करके डायलतीसरे नंबर पर रही। एयरपोर्ट के नोडल अफसर शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि डायल दिल्ली एयरपोर्ट का संचालन करती है। नियमों के मुताबिक अगर संचालित एयरपोर्ट के 150 किलोमीटर के क्षेत्र में कोई दूसरा एयरपोर्ट बनता है तो उसमें उस एयरपोर्ट की कंपनी को 10 प्रतिशत रोफर (छूट) दी जाती है। इस लिहाज से अगर डायल 10-11 रुपये और अधिक प्रस्तातिव करती तो यह एयरपोर्ट उसे मिल सकता था।

एयर कार्गो से कमाई करेगा एयरपोर्ट : नोएडा एयरपोर्ट से सफर के साथ कार्गो सेवा शुरू होगी। आईजीआई एयरपोर्ट से एनसीआर और आसपास के शहरों में बनने वाले औद्योगिक उत्पाद यूरोप, मध्यपूर्व एशिया, दक्षिण एशिया, पूर्व एशिया, चीन और अमेरिका को भेजे जाते हैं।

तरक्की की उड़ान

ज्यूरिख का अनुभव जेवर हवाई अड्डे के विकास में काम आएगा

जेवर के लिए चुनी गई कंपनी ज्यूरिख समेत कई एयरपोर्ट का संचालन करती है। माना जा रहा है कि विश्वस्तरीय तकनीक के प्रयोग से देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट का काम समय पर पूरा होगा।

ज्यूरिख

2000 में ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी अस्तित्व में आई और संचालन संभाला
3 टर्मिनल और तीन रनवे हैं सबसे बड़े स्विस एयरपोर्ट में
3.11 करोड़ यात्री सालाना आवागमन करते हैं इस एयरपोर्ट से
60 से ज्यादा एयरलाइन्स के
278,458 विमान सालाना उड़ान भरते हैं
17,225 करोड़ रुपये से 2005 में इसका पुनर्विकास पूरा हुआ

जेवर

2023 तक जेवर हवाई अड्डे का पहला फेज पूरा होगा, चारों चरण 2040 तक
6 से **8** रनवे होंगे जो भारतीय एयरपोर्टों में सबसे ज्यादा
1.20 करोड़ यात्री क्षमता पहले फेज की, कुल 7 करोड़ सालाना
8 घरेलू और 6 विदेशी डेस्टिनेशंस के लिए उड़ानें शुरू हो सकती हैं शुरुआत में
29,560 करोड़ रुपये इसकी अनुमानित लागत आंकी गयी है

पहली बार

सस्ता निर्माण नहीं, अब राजस्व वसूली आधार

नियाल सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि इस साल फरवरी से पीपीपी मॉडल में राजस्व वसूली का नियम बना है। अभी दिल्ली एयरपोर्ट में कंपनी और सरकार में लाभ की हिस्सेदारी प्रतिशत में होती है। जबकि जेवर एयरपोर्ट में प्रति यात्री के हिसाब से राजस्व लिया जाएगा।

देशभर में पूरी तरह विदेशी कंपनी को मौका

देश में पहली बार किसी एयरपोर्ट के लिए विदेशी कंपनी आई है। अभी तक विदेशी कंपनियों का कुछ हिस्सा होता था, लेकिन इस बार पूरी तरह विदेशी कंपनी को मौका मिल रहा है। नोडल अफसर शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि जेवर एयरपोर्ट के लिए लगी बोली अब तक देश में सबसे अधिक है।

दुनिया के 73 शहरों में दो-दो एयरपोर्ट

दुनिया में ऐसे कुल 73 शहर हैं, जहां दो एयरपोर्ट काम कर रहे हैं। वहीं 14 शहरों में तो तीन-तीन एयरपोर्ट हैं। शिकागों में तीन एयरपोर्ट ओहारे, मिड-वे और रॉकफोर्ड अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट हैं। दो या तीन ही नहीं दुनिया के कई शहरों में तो पांच और सात एयरपोर्ट भी हैं। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में सात एयरपोर्ट हैं।